बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)।

बुधवार, तिथि 14 मार्च, 1984।

विषय-सूची।

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 9 एवं 10	1—19
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	21—48
दैनिक निबंध	49

टिप्पणी :—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

जानना चाहता हूँ कि उनकी पत्नी की तबीयत ठीक हो जाने पर एक महीने के अन्दर उनका स्थानान्तरण हो जायेगा ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—उनको पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में सरकार को अभी जानकारी नहीं मिली है। जानकारी मिलने पर हमलोग कार्रवाई करेंगे।

अध्यक्ष—श्री मुंशी लाल राय के पूछने का तात्पर्य था कि माननीय सदस्य की अनुशंसा पर स्थानान्तरण रोक दिया तो कितने दिनों के लिए रोक दिया ? इसकी कोई अवधि है या सदा के लिए रोक दिया ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—उनकी पत्नी की बीमारी के कारण, उनकी समुचित इलाज के लिए उनको यहां रखा गया है। उनकी पत्नी ठीक हो गई होंगी तो उनका स्थानान्तरण कर दिया जाएगा।

श्री संजीव प्रसाद टोनी—जिस तरह एक माननीय सदस्य के कहने पर उन्होंने स्थानान्तरण रोक दिया उसी तरह हमलोग भी अनुशंसा करेंगे तो वे स्थानान्तरण रोक देंगे ? देखा जा रहा है कि किसी को तीन वर्ष पर ही स्थानान्तरित कर दिया जाता है और किसी को दस-बीस वर्ष तक एक ही जगह पर छोड़ दिया जाता है।

श्री ब्रज किशोर सिंह—इस मामले में पहले उनकी पत्नी के सम्बन्ध में डाक्टर ने लिखा, उसके बाद क्षेत्रीय उप-महानिरीक्षक ने लिखा और फिर माननीय सदस्य श्री इन्दर सिंह नामधारी ने अनुशंसा की तो उनके मामले में विचार किया गया। सब के विचार पर ध्यान देते हुए यह निर्णय लिया गया है।

भवन का निर्माण।

*7. श्री वर्मेश प्रसाद वर्मा—क्या मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण के सिकटा एवं मैनाटांड़ प्रखंड मुख्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण विगत् दो वर्षों से अधूरा है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार कबतक उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण कार्य को पूरा कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजकिशोर सिंह—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) मुख्य अभियंता, ग्रामीण अभियंता संगठन को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के लिए लिखा गया है।

श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न स्पष्ट है, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि इनके विभाग ने आर० ई० ओ० से किस स्तर पर, किस तिथि को, किस पत्रांक से पत्राचार किया है ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—6 महीने पूर्व इसकी समीक्षा की गई थी, समीक्षा करने के बाद स्पष्ट निदेश दे दिया गया है कि इसको पूरा करा दिया जाय।

डॉ० विजय कुमार सिंह—अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि माननीय मंत्री जी जवाब क्या दे रहे हैं ? सवाल कुछ पूछा जा रहा है और ये जवाब कुछ दे रहे हैं। आप इनको निर्देश दें।

श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे पहले पूरक प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। मैं दूसरा प्रश्न पूछता हूँ—मैं सरकार से यह जानना चाहता हूँ कि दोनों प्रखण्डों के मुख्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य कब शुरू किया गया और समाप्त करने का लक्ष्य क्या था और किन कारणों से यह काम अधूरा रह गया ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—इसका निर्माण कार्य दो वर्ष पूर्व शुरू किया गया लेकिन कुछ कारणों से यह पूरा नहीं हो सका।

श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—मैं पूछ रहा हूँ कि किन कारणों से पूरा नहीं हो सका ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—पांच वर्ष पूर्व स्टीमेट बना था और दो वर्ष पहले यह स्वीकृत हुआ और उसके बाद कार्य शुरू हुआ लेकिन उसके बाद फिर रिभाइज्ड स्टीमेट बनाया गया और इसकी समीक्षा कर सारी बातों का समाधान कर दिया गया है, इसको पूरा करा दिया जायगा।

श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—कबतक पूरा करा देंगे ?

(जवाब नहीं मिला)

श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया। मैं जानना चाहता हूँ कि पूर्व में जो स्टीमेट बना था और बाद में जो रिवाइज्ड स्टीमेट बना, उन दोनों में क्या फर्क है ?

अध्यक्ष—माननीय मंत्री, माननीय सदस्य पूछ रहे हैं कि पहले का जो प्राक्कलन था और उसके बाद जो पुनरीक्षित प्राक्कलन बना, वह कितने रुपए का बना, दोनों में कितना का अन्तर है ?

(जवाब नहीं मिला)

श्री राजमंगल मिश्र—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि अभिकर्ता ने टेण्डर दिया, टेण्डर ऐक्सेप्ट हुआ तो ऐग्रीमेंट के हिसाब से अभिकर्ता को कबतक इस काम को पूरा करा देना था, किस परिस्थिति में अभिकर्ता ने इसको पूरा नहीं किया ?

श्री ब्रज किशोर सिंह—यह तो आर० ई० ओ० से समीक्षा करने पर ही पूरा डिटेल्स मिलेगा लेकिन जैसाकि मैंने पहले कहा, इसको पूरा करा दिया जायगा।

श्री सुबोध कांत सहाय—अध्यक्ष महोदय, ये किसी भी प्रश्न का जवाब नहीं दे रहे हैं।

निधि का आबंटन।

*8. श्री जनकधारी प्रसाद कुशवाहा—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत रामपुर हाट से नरमा ग्राम होते हुए हथौड़ी बाजार तक अधूरे एवं स्वीकृत सड़क के निर्माण के लिए निधि का आबंटन 7 सात वर्षों से लंबित रहने से निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, यदि हाँ, तो सरकार कब तक निधि का आबंटन कर निर्माण कार्य को पूरा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

श्री अवधबिहारी सिंह—रामपुर हाट से नरमा ग्राम होते हुए हथौरी बाजार तक पथ की पूरी लम्बाई 10 कि० मी० है। जिसमें केवल 5 कि० मी० अर्थात् खपरा से नरवा तक पथ के पक्कीकरण की स्वीकृति दी गयी है। इस पथ के लिये निधि का आबंटन एन० आर० ई० पी० मद से उप-विकास आयुक्त के माध्यम से होना था किन्तु उप-विकास आयुक्त द्वारा वर्ष 1982-83 तक निधि का आबंटन नहीं किया गया। वर्ष 1983-84 में न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत पर्याप्त निधि नहीं उपलब्ध होने के कारण इस नई योजना के लिये जिसमें अधिक राशि की आवश्यकता है, राशि आबंटित नहीं की जा सकी। अगले वित्तीय वर्ष में निधि की उपलब्धता के अनुसार आबंटन संभव हो सकता है।

श्री जनकधारी प्रसाद कुशवाहा—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि पक्कीकरण का काम कबतक निश्चित हो जायगा ?

श्री अवध बिहारी सिंह—मिट्टी का काम एन० आर० ई० पी० के अन्तर्गत होना है, उसको करा देंगे और उसके बाद पक्कीकरण का काम करा देंगे।